

प्रीलिमिंस फैक्ट्स : 30 अगस्त, 2018

अरनमुला नौका दौड़

- केरल में हालिया बाढ़ के कारण नौका दौड़ 'अरनमुला वल्लमकली' बना करिी उत्सव के ही आयोजति की गई। पछिले 50 वर्षों में ऐसा पहली बार है जब प्रत्येक वर्ष आयोजति होने वाले इस नौका दौड़ का आयोजन बना करिी उत्सव के ही किया गया है।
- अरनमुला नौका दौड़ केरल की सबसे पुराना नदी नाव त्योहार है, जो ओणम (अगस्त-सर्तिंबर) के दौरान आयोजति किया जाता है।
- यह केरल के पथनमथतिता (Pathanamthitta) ज़िले में पाम्पा नदी में श्री कृष्ण और अरजुन को समर्पति पार्थसारथी नामक हट्टि मंदिर के समीप मनाया जाता है।
- इस त्योहार में गायन करते हुए और दर्शकों के शोर-शराबे के बीच साँप की आकृतिवाली नौकाओं को जोड़े में दौड़ाया जाता है।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने नई दलिली में वशि्व के सबसे बड़े ओपन इनोवेशन मॉडल के तृतीय संस्करण - 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन -2019' का शुभारंभ किया।
- एसआईएच-2019 जीवन में आने वाली कुछ गंभीर समस्याओं के समाधान के लिये छात्रों को मंच मुहैया करवाने हेतु एक राष्ट्रव्यापी पहल है। इससे नवाचार की संस्कृति तथा समस्या समाधान की मानसकिता विकसति होती है।
- स्मार्ट इंडिया हैकथॉन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, ऑल इंडिया काउंसलि फॉर टेकनकिल एजुकेशन (AICTE), परससिटेड ससि्टम्स और इंटर इंस्टीट्यूशनल इनक्लूसवि इनोवेशन सेंटर (I4 C) की एक पहल है।
- IISCs, IITs, NITs और AICTE/UGC से अनुमोदन प्राप्त संस्थानों के वदियार्थियों को समस्या समाधान की सृजनात्मक प्रतसिपर्द्धा में भाग तथा तकनीकी समाधान प्रसतुत करने का अवसर मल्लिगा।
- इसमें पहली बार उद्योगों एवं गैर-सरकारी संगठनों के समस्या-वविरण भी शामिल किये जाएंगे।
- स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2019 के दो उप संस्करण होंगे -
 - ◆ सॉफ्टवेयर संस्करण (36 घंटे का सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास प्रतसिपर्द्धा) तथा
 - ◆ हार्डवेयर संस्करण (5 दनि की लंबी अवधि की हार्डवेयर उत्पाद विकास प्रतसिपर्द्धा)

इससे पूर्व दो संस्करणों का आयोजन वर्ष 2016 और 2017 में किया गया था।

ओपन इनोवेशन मॉडल

यह एक ऐसा तरीका है जिसके अंतर्गत करिी संगठन से संबंधति समस्या का समाधान ढूढने का प्रयास ज्ञान और कर्मचारियों तथा वशिषज्जों के अपने सामान्य आंतरकि पूल से परे वशिषज्जता के दोहन के माध्यम से किया जाता है। यह नई प्रौद्योगकियों के विकास के लिये बाहरी पूल के साथ आंतरकि पूल को जोड़ने हेतु एक ढाँचा प्रदान करता है।

'डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय मेधा पुरस्कार-2017'

- सामाजकि न्याय एवं अधिकारति मंत्रालय के अधीन डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन द्वारा आयोजति एक कार्यक्रम में अनुसूचति जाती/अनुसूचति जनजाति के मधावी छात्रों को डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय मेधा पुरस्कार प्रदान किये गए।
- डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन की स्थापना 24 मार्च, 1992 में की गई थी और केंद्रीय सामाजकि न्याय एवं अधिकारति मंत्री इसके अध्यक्ष हैं।
- पुरस्कार योजना वर्ष 2002-03 में शुरू की गई थी और डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन दसवीं कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अनुजाति जाती/अनुसूचति

जनजातों के छात्रों की पहचान करता है।

- फाउंडेशन 12वीं कक्षा के सभी विषयों यथा- विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अनुसूचित जातों के छात्रों का चयन करता है।
- योजना के तहत मेधा प्रमाण पत्र, डॉ. अम्बेडकर पर कतिबे और भारतीय संविधान की एक प्रतिका अलावा अपने-अपने वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को क्रमशः 60,000, 50,000 और 40,000 रुपए की नकद राशि दी जाती है।
- इस मेधा पुरस्कार योजना के लिये योग्यता मानदंड नमिनलिखित हैं:
 1. दसवीं कक्षा के लिये छात्रों का अनुसूचित जात या अनुसूचित जनजात से होना आवश्यक।
 2. बारहवीं कक्षा के लिये छात्रों का सरिफ अनुसूचित जात श्रेणी से होना जरूरी।

प्रगति

(PRAGATI - Pro-Active Governance and Timely Implementation)

- यह एक मंच है जो प्रधानमंत्री को संबन्धित केंद्रीय और राज्य के अधिकारियों के साथ मुद्दों पर पूरी जानकारी के साथ चर्चा करने में सक्षम बनाता है।
- इसे 2015 में लॉन्च किया गया था और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) की मदद से डिज़ाइन किया गया है।
- यह एक तीन-स्तरीय प्रणाली है (पीएमओ, केंद्र सरकार के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव)।
- प्रगतिकाे तीन उद्देश्य हैं:
 - ◆ शिकायत नविरण
 - ◆ कार्यक्रम कार्यान्वयन
 - ◆ परियोजना नगरानी
- प्रगति मंच अद्वितीय रूप से तीन नवीनतम प्रौद्योगिकियों को एक साथ लाता है: डिजिटल डेटा प्रबंधन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी।
- यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है क्योंकि यह भारत सरकार के सचिवों और राज्यों के मुख्य सचिवों को एक मंच पर लाता है।
- हालाँकि, राज्य के राजनीतिक अधिकारियों को शामिल किया बिना राज्य सचिवों के साथ प्रधानमंत्री की सीधी बातचीत राज्य की राजनीतिक कार्यकारी को कमज़ोर कर रही है। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि यह पीएमओ जैसे संवैधानेतर कार्यालय में शक्तिकाे संकेदरण का कारण बन रहा है।
- प्रमुख हतिधारकों के बीच वास्तविक समय की उपस्थिति और वनिमिय के साथ यह ई-पारदर्शिता और ई-जवाबदेही लाने के लिये एक मज़बूत प्रणाली है।

यह ई-शासन और सुशासन में एक अभिनव परियोजना है।

- यह हर महीने चौथे बुधवार को 3.30 बजे आयोजित होता है और प्रगति दिवस के रूप में जाना जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-30-08-2018>